

bharatAgraja aShTakam

——
भरताग्रजाष्टकम्

——
Document Information



Text title : bharatagraja ashtakam

File name : bharatAgrajAShTakam.itx

Category : raama, aShTaka

Location : doc_raama

Latest update : September 22, 2017

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om


This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 17, 2023

sanskritdocuments.org



भरताग्रजाष्टकम्



श्रीभरताग्रजाष्टकम्
हे जानकीश वरसायकचापधारिन्
हे विश्वनाथ रघुनायक देव-देव ।
हे राजराज जनपालक धर्मपाल
त्रयस्व नाथ भरताग्रज दीनबन्धो ॥ १ ॥
हे सर्ववित् सकलशक्तिनिधे दयाब्धे
हे सर्वजित् परशुरामनुत प्रवीर ।
हे पूर्णचन्द्रविमलाननं वारिजाक्ष
त्रयस्व नाथ भरताग्रज दीनबन्धो ॥ २ ॥
हे राम बद्धवरुणालय हे खरारे
हे रावणान्तक विभीषणकल्पवृक्ष ।
हे पद्मजेन्द्र शिववन्दितपादपद्म
त्रयस्व नाथ भरताग्रज दीनबन्धो ॥ ३ ॥
हे दोषशून्य सुगुणार्णवदिव्यदेहिन्
हे सर्वकृत् सकलहृच्चिदचिद्विशिष्ट ।
हे सर्वलोकपरिपालक सर्वमूल
त्रयस्व नाथ भरताग्रज दीनबन्धो ॥ ४ ॥
हे सर्वसेव्य सकलाश्रय शीलबन्धो
हे मुक्तिद प्रपदनाद् भजनात्तथा च ।
हे पापहृत् पतितपावन राघवेन्द्र
त्रयस्व नाथ भरताग्रज दीनबन्धो ॥ ५ ॥
हे भक्तवत्सल सुखप्रद शान्तमूर्ते
हे सर्वकर्मफलदायक सर्वपूज्य ।
हे न्यून कर्मपरिपूरक वेदवेद्य

त्रयस्व नाथ भरताग्रज दीनबन्धो ॥ ६ ॥

हे जानकी रमण हे सकलान्तरात्मन्

हे योगिवृन्दरमणा स्पदपादपह् ।

हे कुम्भजादिमुनिपूजित हे परेश

त्रयस्व नाथ भरताग्रज दीनबन्धो ॥ ७ ॥

हेवायुपुत्रपरितोषित तापहारिन्

हे भक्तिलभ्य वरदायक सत्यसन्ध ।


हे रामचन्द्र सनकादिमुनीन्द्रवन्द्य

त्रयस्व नाथ भरताग्रज दीनबन्धो ॥ ८ ॥


श्रीमभरतदासेन मुनिराजेन निर्मितम् ।

अष्टकं भवतामेतत् पठतां श्रेयसे सताम् ॥

॥ इति श्रीभरताग्रजाष्टकम् ॥

——
bharatAgraja aShTakam

pdf was typeset on September 17, 2023

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

